न्यूज डायरी

रोहिंग्या मुस्लिमों के खिलाफ नरसंहार की मंशा का सबूत नहीं: सूची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) द हेग। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित म्यांमार की नेता आंग सांग सूची ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत को बताया कि रोहिंग्या मुस्लिमों के खिलाफ उनके देश के सैन्य अभियान के पीछे नरसंहार की मंशा का कोई सबूत नहीं है। सूची ने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि सेना ने अत्यधिक बल प्रयोग किया हालांकि उन्होंने जोर दिया कि निश्चित रूप से इन परिस्थितियों में नरसंहार की मंशा एकमात्र अवधारणा नहीं हो सकती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत को बताया कि म्यांमार पर रोहिंग्या मुस्लिमों के खिलाफ नरसंहार के आरोप भ्रामक और अधूरे हैं। अंतरराष्ट्रीय अदालत में अफ्रीकी देश गांबिया द्वारा लाए गए मामले पर सूची ने कहा, यह खेदजनक है कि गांबिया ने अदालत के सामने रखाइन प्रांत में हालात के बारे में भ्रामक और अधूरी तस्वीर पेश की।

चीन में सबसे ज्यादा पत्रकार जेल में बंद: निगरानी संस्था

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। दुनिया भर में कम से कम 250 पत्रकार जेलों में बंद हैं और इनमें से सबसे ज्यादा चीन के हैं। पत्रकारों की रक्षा से जुड़े संगठन सीपीजे की रिपोर्ट के अनुसार कई पत्रकार 'राज द्रोह' का सामना कर रहे हैं और कई पर 'फर्जी समाचार' छापने का आरोप है। इस सूची में तुर्की, सऊदी अरब, मिस्र, इरीट्रिया, वियतनाम और ईरान के जेलों में बंद पत्रकार शामिल हैं। प्रेस की स्वतंत्रता पर नजर रखने वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चीन में कम से कम 48 पत्रकार जेल में बंद हैं क्योंकि चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग मीडिया पर नियंत्रण करने की कोशिश तेज कर दी है। इस बार चीन ने तुर्की को भी इस सूची में पीछे छोड़ दिया है। तुर्की में 47 पत्रकार जेल में बंद हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि तुर्की में पिछले साल 68 पत्रकार जेल में बंद थे।

भगोड़े माल्या पर शिकंजा कसने को फिर से ब्रिटेन की अदालत पहुंचे भारतीय बैंक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व में भारतीय सरकारी बैंकों के एक समूह ने शराब कारोबारी विजय माल्या के केस में ब्रिटेन के हाई कोर्ट का दरवाजा फिर से खटखटाया है। बैंकों ने माल्या के तकरीबन 1.145 अरब पाउंड का कर्ज न चुकाने के आरोप में दिवालिया घोषित करने का आदेश देने की एक बार फिर अपील की है। लंदन में हाई कोर्ट की दिवाला शाखा में जस्टिस माइकल ब्रिग्स ने इस हफ्ते सुनवाई की। वह बैंकों की 2018 की उस याचिका पर सुनवाई कर रहे हैं जिसमें अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस द्वारा लिए गए कर्ज की भरपाई करने की कोशिश की जा रही है। हाई कोर्ट ने पूर्व में दिए एक फैसले में दुनियाभर में माल्या की संपत्ति के लेन–देन पर प्रतिबंध लगाए जाने के आदेश को पलटने से इनकार कर दिया था और भारत की एक अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा था कि 13 भारतीय बैंकों का समूह तकरीबन 1.145 अरब पाउंड के कर्ज की भरपाई करने के लिए अधिकृत है।

बोगनविले ने पापुआ न्यू गिनी से आजादी के लिए किया मतदान

कैनबरा। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में स्थित बोगनविले ने पापुआ न्यू गिनी से आजादी हासिल कर नया देश बनने के लिए बुधवार को जनमत संग्रह के परिणाम की घोषणा की। बोगनविले जनमत संग्रह आयोग के अध्यक्ष बेरटी अहरेन ने अर्द्धस्वायत्त प्रांत में एक सरकारी कार्यालय में जब इसकी घोषणा की तो लोग खुशी से झूम उठे।जनमत संग्रह का परिणाम गैर बाध्यकारी है और बोगनविले तथा पापुआ न्यू गिनी के नेताओं के बीच के समझौते से आजादी का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके बाद पापुआ न्यू गिनी के सांसद इस पर फैसला करेंगे । दो सप्ताह तक चले मतदान में योग्य मतदाताओं में से लगभग 85 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया।

दिल्ली से भी दमघोंटू क्यों हो गई ऑस्ट्रेलिया की हवा

दिल्ली में औसतन पीएम 2.5 जहां 219.7 रहा तो वहीं सिडनी के कई इलाकों में यह काफी ज्यादा था

प्रदूषण

- दिल्ली में जहां एक्यूआई का सबसे उच्च स्तर 325 रहा वहीं सिडनी में यह 341 दर्ज किया गया
- सिडनी एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स का आवागमन 30 मिनट की देरी से हो रहा है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग की वजह से उसके सबसे बड़े और खूबसूरत शहर सिडनी की हवा दिल्ली से भी ज्यादा खराब हो गई है। वहां लोगों का दम घुटने लगा है। धुएं की वजह से लोगों की आंखें जल रही हैं और उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है। शहर में फेरी सर्विस को बंद कर दिया गया है और लोगों को स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी दे दी गई है। सिडनी ओपेरा हाउस और हार्बर ब्रिज धुंध की मोटी चादर की वजह से ठीक से दिखाई भी नहीं दे रहे।

मंगलवार को सिडनी के कई इलाके

दिल्ली से भी ज्यादा प्रदूषित पाए गए। दिल्ली में औसतन पीएम 2.5 जहां 219.7 रहा तो वहीं सिडनी के कई इलाकों में यह काफी ज्यादा था। न्यू साउथ वेल्स गवर्नमेंट की वेबसाइट के मुताबिक 24 घंटों के दौरान ब्रेडफील्ड हाईवे पर यह 582, लीवरपूल में 453 और कटूम्बा में 263 रहा।

पूर्वी इलाकों में तो 2552 पहुंचा एक्यूआई: दोनों देशों के एक्यूआई की सीधे तौर पर तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन एयर प्लूमलैब्स की वेबसाइट जो क्यूआई के तुलनात्मक आंकड़े देता है, के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली में जहां एक्यूआई(एयर क्वॉलिटी इंडेक्स) का सबसे उच्च स्तर 325 रहा वहीं सिडनी में यह 341 दर्ज किया गया। सिडनी के इन्वाइरनमेंट डिपार्टमेंट द्वारा जारी किया गया एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 200 के खतरनाक स्तर को पार कर चुका है और कुछ पूर्वी इलाकों में तो यह 2,552 तक पहुंच चुका है। स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि शहर में राख ही राख फैली है और सही से दिखाई न पड़ने के कारण सिडनी एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स का आवागमन 30 मिनट की देरी से हो रहा है।

25 प्रतिशत ज्यादा बढ़ी मरीजों की संख्या: वहीं अस्पतालों में इलाज करवाने वाले लोगों की संख्या में 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। न्यू साउथ वेल्स स्टेट के डायरेक्टर ऑफ इन्वाइरनमेंट हेल्थ रिचर्ड ब्रूम ने बताया, जितना हमने देखा है यह अब तक का सबसे खराब एयर क्वॉलिटी है। प्रशासन ने सांस के मरीजों, दिल और फेफड़ों के मरीजों को घर में रहने की हिदायत दी है। आग बुझाने में लगे कर्मचारी भी मास्क पहनकर काम कर रहे हैं। शहर के पश्चिमी इलाके में 42 डिग्री सेल्सियस तापमान रहने का अनुमान है।

अमेरिका में 2018 में करीब 10 हजार भारतीयों को हिरासत में लिया गया: रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी सरकार की ओर से जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2018 में करीब 10 हजार भारतीयों को हिरासत में लिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार कई अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा या जन सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में देखे जाने वाले करीब 10 हजार भारतीयों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया था।

हिरासत में लिए जाने वाले भारतीयों की संख्या दोगुनी हुई: 'आव्रजन प्रवर्तन: गिरफ्तारियां, हिरासत और बाहर भेजना और चयनित जनसंख्या से जुड़े मुद्दे' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट को सरकारी जवाबदेही कार्यालय ने तैयार किया है। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन या आईसीई द्वारा हिरासत में लिए जाने वाले भारतीयों की संख्या 2015 से 2018 के बीच दोगुनी हो गई है।

बाहर भेजे जाने वालों की संख्या में भी इजाफा: आईसीई ने साल 2015 में 3,532 भारतीयों को हिरासत में लिया था। साल 2016 में 3,913, साल 2017 में 5,322 और साल 2018 में 9,811 भारतीयों को हिरासत में लिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार आईसीई ने साल 2018 में 831 भारतीयों को देश से बाहर भेजा। साल 2015 में 296, साल 2016 में 387 और साल 2017 में 474 भारतीयों को देश से बाहर किया गया था।

हान्ग कान्ग पुलिस की जांच से हटे इंटरनैशनल एक्सपर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हॉन्ग कॉन्ग। हॉन्ग कॉन्ग की पुलिस को लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों से निपटने की सलाह देने के लिए बनाई गई संस्था ने अपने पांव पीछे खींच लिए। विशेषज्ञों की इस अंतरराष्ट्रीय समिति ने बुधवार को घोषणा की कि वह इस जिम्मेदारी से हट रही है। यह शहर की बीजिंग समर्थक सरकार के लिए एक बड़ा झटका है। यह कदम तब उठाया गया है जब एक महीने पहले समूह के लीक हुए बयान में पता चला कि उन्हें लगता है कि पुलिस निगरानी संस्था उचित जांच के योग्य नहीं थी और उसने इसके बजाय पूर्ण स्वतंत्र जांच का सुझाव दिया।

टेरर फंडिंग केस: हाफिज सईद के खिलाफ पाकिस्तान कोर्ट में आरोप तय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने मुंबई हमले का मास्टरमाइंड और जेयूडी (जमात–उल–दावा) प्रमुख हाफिज सईद के खिलाफ टेरर फंडिंग के मामले में आरोप तय किया। इससे पहले शनिवार को मामले के एक संदिग्ध के कोर्ट में मौजूद न रहने की वजह से सईद के खिलाफ आरोप तय नहीं हो सका था। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 11 दिसंबर यानी आज तक के लिए टाल दी थी।

ट्रस्ट और एनपीओ के नाम पर इकट्ठा किया गया धन: पंजाब पुलिस के आतंकवाद रोधी विभाग ने 17 जुलाई को सईद और

उसके सहयोगियों के खिलाफ पंजाब प्रांत के विभिन्न शहरों में आतंक के वित्तपोषण को लेकर 23 एफआईआर दर्ज किए थे। इसके बाद जेयूडी चीफ की गिरफ्तारी की गई थी। फिलहाल वह कोट लखपत जेल में बंद है।लाहौर, गुजरांवाला और मुल्तान शहरों में ट्रस्ट और नॉन प्रॉफिट ऑर्गनाइजेशन के नाम पर जिसमें अल–अनफाल ट्रस्ट, दावातुल इरशाद ट्रस्ट और मुआज बिन जबल ट्रस्ट शामिल है, के नाम पर आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए धन इकट्ठा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दवाब में शुरू हुई थी जांच: अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दबाव में पाकिस्तानी अधिकारियों ने लश्कर–ए–तैयबा, श्रनक और उसकी चौरिटी शाखा फलाह–ए–इन्सानियत फाउंडेशन के खिलाफ जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए धन जुटाने के लिए इन ट्रस्टों का इस्तेमाल किया गया है। सईद के नेतृत्व वाला श्रनक, लश्कर–ए–तैयबा का सबसे प्रमुख संगठन है। यह संगठन साल 2008 के मुंबई हमलों के लिए भी जिम्मेदार है जिसमें 166 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

25 महिलाओं का किया यौन उत्पीड़न, कोर्ट में भारतीय मूल के डॉक्टर का साबित हुआ जुर्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। भारतीय मूल के डॉक्टर को ब्रिटेन की अदालत ने महिलाओं के उत्पीड़न का दोषी पाया है। महिलाओं का उत्पीड़न करने के लिए वह उनकी कमजोरी का सहारा लेता था और हॉलिवुड और टीवी स्टार्स की कैंसर से जुड़ी खबरें सुनाकर वह उन्हें डराता था।

मनीष शाह नाम का यह जनरल प्रैक्टिसनर (जीपी) अब तक 25 महिलाओं का उत्पीड़न कर चुका है। लंदन के ओल्ड बैले कोर्ट में सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि वह महिलाओं को डराने के लिए खबरों का सहारा लेता था। एक महिला को डराने के लिए उसने हॉलीवुड स्टार ऐंजलिना जोली का भी सहारा लिया। उसने मरीज को कहानी सुनाई कि किस तरह ऐंजलिना जोली को ब्रेस्ट कैंसर हुआ और मरीज को भी ब्रेस्ट चेकअप करा लेना चाहिए। वकील केट बेक्स ने कोर्ट को बताया कि वह अपने प्रफेशन का सहारा लेकर महिलाओं का यौन उत्पीड़न करता था और बिना किसी मेडिकल जरूरत के वह ब्रेस्ट और वजाइनल चेकअप करता था।